



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

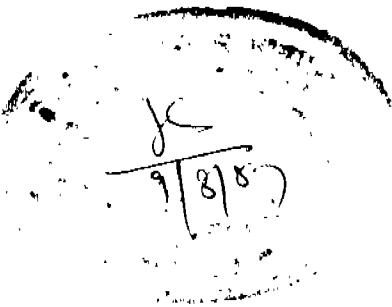
भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

शासकीय से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं० १]
No. 1]

मई दिल्ली, बुधवार, जनवरी ७, १९८७/पौष १७, १९०८

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 7, 1987/PAUSA 17, 1908



इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

नियोजित सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय
झज्जर रोड, हैदराबाद

हैदराबाद, ३१ दिसम्बर, १९८६

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९ घ (१) के अधीन सूचना

लिखें सं. आर. ये. सी. १८/८६-८७-प्रत: सुन्दे टी. गोरखनाथन. आयकर
अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९ घ के अधीन संक्षम प्राधिक-
कारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थबर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य ५,००,०००/- रुपये से अधिक है और जिसका सं. भूमि है जो
गुडल पोखरपट्टी, विलेज, विष्वास है (और इससे उपरांठ घनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेंहबल में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन
अप्रैल १९८६ को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए रजिस्ट्रेशन विलेज के घनुसूचर अन्तरित
की गई है और सुन्दे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका)
और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिक्रिय, विस्तृतिक्षण उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप में कवित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उसमें बदले के लिए सुकर बनाना
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य अदित्यों को, जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) या छतकर
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता जाहिर या,
ठिकाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अध्याय
२०-के के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में झर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करने
के कारण ऐसे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः छव, धारा २६९-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
१९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-घ की उपधारा (१)-के
अधीन विस्तृतिक्षण विकितयों, अर्थात्—

(१) जी. रामकेश्वर रेडी पिता शास रेडी, पर. नं. ११-२४,
हुटोंगूडा, हैदराबाद-५००००३. (अस्त्रक)

- (2) श्री जा. महेंद्र रेडी पिता जी. रामकृष्ण रेडी, घर नं. 11-24 बुरटोंगूडा, बोलारम, सिकंदराबाद.
 (3) मेसर्स अभिषेक स्टील लि., 72, पैग कालोनी, सिकंदराबाद, रीप्रजेटेड बाइ आरएसटमर्स: गोपाल आगरवाल, घर नं. 72, पैग कालोनी, सिकंदराबाद, और श्री अशोक आगरवाल पिता प्रभुद्वारा ग्राह आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रिकाब गंग, हैदराबाद-500002. (अन्तरित)

(को) यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया गुरु करता है। उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के प्रति आक्षेप, परिधि कोई हो तो)

- (क) इस सूचित के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अधिकारी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
 (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भ्रजन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, परिधि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्बद्धि के अन्तरिति को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

प्रनुसारी

बंजर भूमि सर्वे नं. 72 और 73, विस्त सर्ण 4 एकर, गुंडला पोचम-पल्ली विसेज, मेड्चल, जीला रंगारेडी, रजिस्ट्रीकूर्ट अधिकारी मेड्चल, रजिस्ट्रीकूर्ट विसेज नं. 2558/86.

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 31st December, 1986

Notice Under Section 269 D [1] of the Income-Tax Act, 1961 [43 of 1961]

Ref. No. RAC. 18/1986-87.—Whereas I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair marketing value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value

of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer : and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- 1. Shri G. Ramakrishna Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bolalurum, Secunderabad.
- 2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bolalurum, Secunderabad. (Transferor)
- 3. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003, Represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikabgunj, Hyderabad-500002. (Transferee).

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medical—vide document No. 2558/86.

निवेदन सं. धारा. ये. सी. 18/86-87.—मत: मृशी टी गोरखनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 5,00,000/-एप्पमें से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है जो गुडला पोचमपल्ली, विलेज स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेडबल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रत्रल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फ़ाम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मृशी यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
 (ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए या छिपने के लिए सुकर बनाना।

और तथा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क शब्दों में पूर्ववत् सम्पत्ति में अन्तर के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तित्वों अर्पणः—

- (1) जी. रामी रेडी (2) जी. श्रीनिवासा रेडी पिता श्री आल रेडी, ११/११, बुरटोगूडा, बोलारवाड, सिकंदराबाद; (3) श्रीमति टी. भारती, पति जनाधीन रेडी संतोषनगर, सइद्वाबाद, हैदराबाद; (4) श्रीमति वि. सूर्यना, पति वि. जनाधीन रेडी, आलीयाबाद, हैदराबाद; (5) श्रीमति एन. स्वरूप, पति एन. मीना रेडी, जंगामीटू, फलकनूमा, हैदराबाद; (6) श्रीमति पि. वसंता, पति पि. प्रताप रेडी गोडूपाल, मेडबल तानूक।
 (अन्तरक)

मैंसं प्रभिशेक स्टोल सि. 72 पैग कालोनी, सिकंदराबाद, रीप्रेजेंटेड बाई गोपाल आगरवाल, पिताविद्रावन आगरवाल, रेसीडेंस 72, पैगकालोनी, सिकंदराबाद (2) प्रभिशेक आगरवाल, पिता प्रलहाद राई आगरवाल रेसीडेंस नं. 21-1-340, रोकाबरगंज, हैदराबाद-500002.

(अन्तरिती) .

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अन्तर के प्रति अस्तित्व, यदि काई हो तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववत् अस्तित्वों में से किसी व्यक्ति द्वारा, अशोद्दृश्यतारकी के पास लिखित में किए जा सकें।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अस्त व्यक्ति द्वारा, अशोद्दृश्यतारकी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अन्तर के लिए गए आसेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आसेप किया है तथा संसदि के अस्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत् पैरा के अधीन सूचना दी गई है असेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अस्त होगा, जो उस अध्याय में विद्याया है।

अनुसूची

बंजर भूमि, सर्वे नं. —71 और 72, विस्तीर्ण 4 एकड़, गूडला पोचम-पल्ली, विलेज, मेडबल रंगा रेडी, रजिस्ट्रीकूल विलेज नं. 2559/86
 रजिस्ट्रीकर्ता जिला अधिकारी, मेडबल।

Ref. No. R.A.C. 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknath being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely:—

Transferors :

1. Shri G. Rami Reddy.
2. Shri G. Sreenivasa Reddy.
Sons of late Shri Bal Reddy, 9/89, Burton-guda, Bolaram, Secunderabad.
3. Smt. T. Bharathi, W/o Shri Janardhan Reddy, Santosh Nagar, Saidabad, Hyderabad.
4. Smt. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad.
5. Smt. N. Swaroopa, W/o Shri N. Meena Reddy, Jangameetu, Falakunma, Hyderabad.
6. Smt. P. Vasantha, W/o Shri P. Pratap Reddy, Bodduppal, Medchal Taluk.

Transferees :

M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at
72. Paigah Colony, Secunderabad-500003.
Represented by :

1. Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad.
2. Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, Resident of No. 24-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of survey Nos. 71 and 72 admeasuring four acres situated at Gundla Pochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—vide document No. 2559/86.

निदेश सं. आर.पे.सी. 18/86-87 :— अतः मूले, वी. गोरखनाथ प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब्र के प्रयोग सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानान्तर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसको संभूमि है, जो गंडला पोखमपल्ली विलेज स्थित है (और इससे उपार्ध प्रमुखों में और पूर्णतः से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन प्राधिकारी के कार्यालय मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रेशन प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत अप्रैल, 1986 को पूर्ववत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान्त प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रेशन विलेज के मधुमार मन्त्रितों की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्बिल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिकल से ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अग्ररक (अग्ररकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोग कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि प्रस्तुतों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धारकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतावधि अन्तरिति धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और तथा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोग 20-ब्र के शब्दों में पूर्ववत् सम्पत्ति में घरें के लिए कार्यवाही शुल्क फरने के कारण से द्वारा प्रधिनियमित किये गए हैं।

मर्ति: अब्दुल्ला 269-म के प्रनुस्परण में, मैं अधिकारी, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:

1. श. जी. बालकृष्ण रेडी, पिता भूतपूर्व श. बाल रेडी 9/103/2, बुर्टोंगुडा, बोलारम, सिकंदराबाद (अन्तरक)

2. मैसेस प्रभिशेक स्टील्स लि., पेंग कालोनी, सिकंदराबाद-500003 रीप्रजेटेक बाइ डायरेक्टर्स श्री गोपाल आगरवाल पिता श्री बिंद्राबन आगरवाल, रेसैटेक नं. 72, पेंग कालोनी, सिकंदराबाद-500003, श्री श्री अशोक आगरवाल पिता श्री प्रह्लाद राव आगरवाल, घर नं. 21-1-390 रीकाबांज, हैदराबाद-500002 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनदब्ल्यूआर कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अधिकारी, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनदब्ल्यूआर अपने यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आधेनों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आधेन किया है तथा सम्बद्धी के अन्तरिती की बीं जाएगी;

एनदब्ल्यूआर अपने यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन [सूचना दी गई है, अधेनों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43), के अध्याय 20 क में यथा परिभासित है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

अमृसूची

बृहर भूमि सर्कं नं. 71, विस्तीर्ण 2 एकर, गुंडला पोचमपल्ली विलेज, मेडचल मंडल, रंगा रेडी जिला, रजीस्ट्रीकूल विलेज नं. 2590/88, रजिस्ट्रीकूलरी अधिकारी मेडचल।

Ref. No. R.A.C. 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)---

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Dr. G. Balakrishna Reddy, S/o late G. Bal Reddy, 9/103/2, Burtonguda, Bolaram, Secunderabad. (Transferor)
2. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003. (Transferee)

Represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003.

Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing part of survey No. 71, admeasuring two acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District, Andhra Pradesh, registered by the Sub-Registrar, Medchal-vide document No. 2590/86.

निवेद्य सं. आर.ए.सी. 18/86-87 :—अतः मूले, ई. गोरक्षनाथन् प्रत्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा के प्रधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी तं. भूमि है, जो गुड्ला पोचमपल्ली विलेज, स्थित है (और इससे उपावद मन्त्रपूर्णी में पूर्णांग से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायातिय मेड्चल में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अधीन, 1986 की पूर्वोक्त अपाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी भाव की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में क्रमों करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित भारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

यो र यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण ऐसे द्वारा अनिवार्य किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-वा के अनुपरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षितों, प्रधार्ति :—

1. जी. राम, रेड्डी पिता बाल रेड्डी और 2. जी श्रीमिता रेड्डी पिता रामी रेड्डी, घर नं. 9-89, बुरटोंगुडा, निकंदराबाद, (3) दी. भारती पति दी. जनार्थन रेड्डी, संतोषनगर कॉलोनी, हैदराबाद (4) श्रीमती वि. सुगुना पति वि. जनार्थन रेड्डी, मालीवाला, हैदराबाद (5) श्रीमति यन. स्वरूपा पति श्री मीमा रेड्डी, जंगमेट्टु, फलकनूमा, हैदराबाद। (6) श्रीमती पि. वसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, गोदूपल, मेड्चल तालुक, जिला रंगा रेड्डी। (अन्तरक)

मेसर्स अभिशेक स्टील सि., 72 पैग कॉलोनी, सिकंदराबाद-500003। रीप्रेजेंटेड बाइ गोपाल अग्रवाल पिता बिदाबन अग्रवाल, नं. 72, पैग कॉलोनी, सिकंदराबाद, श्री अक्षोक अग्रवाल पिता प्रह्लाद राह अग्रवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाब गंज, हैदराबाद-500002। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाही शुरू करता है। उपर नम्मति के अर्जन के प्रति प्रस्तुप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की सारीब से 45 दिन की अवधि, जो भी प्रधार्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

एतद्धारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इन स्थावर सम्पत्ति के प्रधीन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आंतरों यदि, कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अविक्षित को, जिसने ऐसा आंतरों किया है तथा संबंधी के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अविक्षित को जिसे पूर्वोक्त पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, आंतरों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्याया है।

अनुसूची

वंजर भूमि विस्तारीय 4 एकड़, सर्वे नं. 71 और 72, गुड्ला पोचमपल्ली विलेज, मेड्चल मंडल, जिला रंगा रेड्डी, रजिस्ट्रीकर विलेज नं. 2593/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेड्चल।

Ref. No. RAC 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer : and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: Transferors :

1. Shri G. Rami Reddy, S/o Shri Bal Reddy H. No. 9-89, Burgon.
2. Shri G. Sreenivasa Reddy, Son of Shri Rami Reddy guda, Secunderabad.
3. Smt. T. Bharathi, W/o Shri T. Janardhana Reddy, Santoshnagar Colony, Hyderabad.
4. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad.
5. Smt. N Swaroopa, W/o Shri Meena Reddy, Jangamettu, Falaknuma, Hyderabad.
6. Smt. P. Vasanthi, W/o Shri PP. Pratapa Reddy, Bodduppal, Medchal tk. Dist. R.R.

Transferees :

M/s. Abhishek Steels Ltd., Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003.

Represented by :

1. Shri Gopal Agarwal, Son of Shri Bindraban Agarwal, No. 72, Paigah Colony, Secunderabad.
2. Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of Survey Nos. 71 and 72 admeasuring Four Acres situated at Gundia Fochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District - registered by the Sub Registrar, Medchal - vide document No. 2593/86.

लिंगेत सं. भार. नं. सी. 18/86-87 :—प्रतः मुमे टी. गोरखनाथम शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सम्पत्ति प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थायकर

सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुडला पौबांपली लिंगेत, में स्थित है (और इससे उत्तरदाय अनुसूची में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भेस्टल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रत्यक्षित की गई है और मुमे वह विश्वास करते का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्वय प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रत्यक्षक (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के भीतर तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत प्राप्तिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उपरे बढ़ते के लिए मुक्त बनाना और /या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय अधिकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

प्रौढ़ यह: शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करते के कारण मेरे द्वारा प्रभिलिखित किये गए हैं।

प्रतः अब, भारा 269-व के अनुसूचण में, मैं शायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्निः—

1. जी. रामकृष्ण रेड्डी पिता बाल रेड्डी पर. नं. 11-24, बुरटोंगुडा, बोलाराम, सिकंदराबाद
2. श्री जी. महेश रेड्डी पिता जी. रामकृष्ण रेड्डी, पर. नं. 11-24, बुरटोंगुडा, बोलाराम सिकंदराबाद। (प्रत्यक्ष)
3. भैसर्स प्रभिशेक स्टील लि., 72, पैग कॉलोनी, मिकंदराबाद, बाल आयरेक्टर, गोपाल अगरवाल [पिता विश्वास अगरवाल, और प्रशोक अगरवाल पिता प्रश्नाव भाई आगरवाल, पर. नं. 21-1-390, रिकाब गंग, हैदराबाद-500002।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसडब्ल्यू कार्यवाहियां मुक्त करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो तो

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन की प्रतिष्ठि, जो भी प्रतिष्ठि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितदाता किसी अन्य

अधिकृत द्वारा प्रधानमंत्री के पास विभिन्न में किए जा सकते हैं।

एतद्वारा आगे यह अधिकृत किया जाता है कि इस स्थावर मर्यादित के अंजन के प्रति इस सूचना के ऊपर से किए गए प्राप्तियों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आवेदन किया है तथा संबंधी के अल्पिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिकृत किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वतः द्वारा के अधीन सूचना दी गई है, आवेदनों की सुनवाई के मर्याद सूचने के लिए अधिकार दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्बाद, 20 में यथा परिभाषित है, वही अर्थ हीना, जो उस अन्तर्बाद से दिक्खाया है।

अनुसूची

बंजर कृषि भूमि मर्यादा नं. 72 और 73, विस्तीर्ण 4 एकड़, और 10 गुडे गुडला, पोशमपल्ली, मेडचल, जिला रंगारेहड़ी, रजिस्ट्रीक्रेट विभाग नं. 2594/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

टा. गोरक्षनाथन, सक्षम अधिकारी
(महायक आवकर आमूल्य) निरीक्षण
अंजन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 31-12-1986

Ref. No. RAC 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269-D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Transferors :

1. Shri G. Ramakrishna Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Buronguda, Bolaram, Secunderabad.
2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Buronguda, Bolaram, Secunderabad.

Transferees:

M/s. Abhishek Steels Limited, Office at 72, Pai-gah Colony, Secunderabad-500 003.

Represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahlad Rai Agarwal, No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres and Ten Guntas (4—10) situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District-registered by the Sub Registrar, Medchal-vide document No. 2594/86.

T. GORAKNATHAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)
Date : 31-12-1986

Seal

Hyderabad